

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 244

02 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

244. डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने हाल ही में देश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में कृषि उत्पादकता पर अनियमित वर्षा, लू और सूखे सहित जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का कोई आकलन किया है;
- (ख) नेशनल इनोवेशन इन क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर (एनआईसीआरए) कार्यक्रम के अंतर्गत जलवायु-संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पहचाने गए जिलों का ब्यौरा क्या है और उनमें क्या पहलें कार्यान्वित की गई हैं;
- (ग) क्या सरकार का जलवायु-अनुकूल फसलों, सूक्ष्म-सिंचाई और सूखा-शमन प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय और तकनीकी सहायता देने का विचार है; और
- (घ) यदि हाँ, तो पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान ऐसी पहलों के तहत बजटीय आवंटन और प्राप्त प्रत्यक्ष परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) एवं (ख): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद जलवायु अनुकूल कृषि में राष्ट्रीय नवाचार (एनआईसीआरए) परियोजना का कार्यान्वयन कर रही है, जो कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करती है, भावी जलवायु परिवर्तन के लिए कृषि जिला स्तर के जोखिम और संवेदनशीलता का आकलन करती है और भावी जलवायु परिवर्तन के अनुमानों का आकलन करने के लिए इंटीग्रेटेड सिमुलेशन मॉडलिंग का अध्ययन करती है। इस परियोजना के अंतर्गत, जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल प्रोटोकॉल के अनुसार, कृषि प्रधान 651 जिलों में जिला स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रति कृषि के जोखिम और अतिसंवेदनशीलता का आकलन किया गया है। 310 जिलों की पहचान अतिसंवेदनशील के रूप में की गई, जिनमें से 109 जिलों को 'अत्यधिक' और 201 जिलों को 'उच्च' संवेदनशील के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जलवायु परिवर्तनशीलता के प्रति किसानों की समुत्थानशीलता और अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने के लिए, स्थान-विशिष्ट जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों जैसे चावल गहनता प्रणाली, एरोबिक राइस, चावल की सीधी बुआई, गेहूं की बुआई, सूखे और गर्मी जैसी चरम मौसम स्थितियों के प्रति सहनशील जलवायु अनुकूल किस्मों की खेती; चावल के अवशेषों का इन-सीटू समावेशन आदि को किसानों द्वारा अपनाने के लिए 28 राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों को कवर करने वाले 151 जलवायु अतिसंवेदनशील जिलों के 448 जलवायु अनुकूल गांवों में केवीके के माध्यम से परियोजना के तहत प्रदर्शित किया गया है। चयनित गांवों में बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए परियोजना के अंतर्गत ग्राम स्तरीय सीड बैंक और सामुदायिक नर्सरियों की स्थापना करने हेतु क्षमता निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए, आईसीएआर ने विगत 10 वर्षों (2014-2024) के दौरान 2900 किस्में जारी की हैं। इनमें से 2661 किस्में एक या एक से अधिक जैविक

और/या अजैविक तनावों के प्रति सहनशील हैं। चावल, गेहूं, सोयाबीन, सरसों, चना, ज्वार, चना और लोबिया की सूखा और बाढ़ सहिष्णु जलवायु-प्रतिरोधी किस्मों का प्रदर्शन एनआईसीआरए के कई गांवों में किया गया है।

एनआईसीआरए कार्यक्रम के अंतर्गत जलवायु-अतिसंवेदनशील (अत्यधिक) के रूप में चिह्नित किए गए जिलों का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ग) एवं (घ): एनआईसीआरए के अंतर्गत, जलवायु-अनुकूल पद्धतियों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए, छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए तकनीकी सहायता को वर्तमान में शामिल 151 जिलों के अलावा, अतिरिक्त संवेदनशील जिलों तक विस्तारित करने का प्रस्ताव है। सुचारू संचालन और आवश्यकता-आधारित प्रौद्योगिकी प्रसार के लिए, किसानों की सहभागितापूर्ण पहल के माध्यम से ग्राम स्तरीय संस्थाएं, जैसे ग्राम जलवायु जोखिम प्रबंधन समितियां (वीसीआरएमसी), बीज और चारा बैंक की स्थापना की गई है। इन गांवों में कृषि विज्ञान केंद्रों के अंतर्गत स्थापित कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) समय पर कृषि कार्य प्रारंभ करने और छोटे व सीमांत किसानों को उन्नत मशीनरी उपलब्ध कराने में सहायता करते हैं। एनआईसीआरए परियोजना के अंतर्गत ग्राम स्तरीय बीज बैंकों और सामुदायिक नर्सरियों की स्थापना हेतु क्षमता निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जिससे चयनित गांवों में बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। यह परियोजना किसानों की क्षमता निर्माण और बेहतर फसल उपज में योगदान दे रही है, जिससे कृषक समुदाय का सामाजिक-आर्थिक विकास हो रहा है। एनआईसीआरए परियोजना के अंतर्गत ग्राम स्तरीय बीज बैंकों और सामुदायिक नर्सरियों की स्थापना हेतु क्षमता निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जिससे चयनित गांवों में बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान इन 151 जोखिम-संभावित जिलों में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के लिए बजटीय आवंटन निम्नानुसार है:

वर्ष	धनराशि (रुपए लाख में)
2022-23	1600.30
2023-24	1862.00
2024-25	2550.31

कृषि के लिए 'अत्यधिक' और 'उच्च' जलवायु परिवर्तन जोखिम वाले जिलों की सूची

राज्य	जिला	जोखिम	आपदा
आंध्र प्रदेश	अनंतपुर	अत्यधिक	सूखा
अरुणाचल प्रदेश	ऊपरी सियांग	अत्यधिक	सूखा
असम	नलबाड़ी	अत्यधिक	-
असम	दारंग	अत्यधिक	सूखा
बिहार	सीतामढ़ी	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	मधुबनी	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	सुपौल	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	किशनगंज	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	कटिहार	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	सहरसा	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	दरभंगा	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	लखीसराय	अत्यधिक	बाढ़
बिहार	शेखपुरा	अत्यधिक	सूखा
बिहार	नालन्दा	अत्यधिक	बाढ़
गुजरात	पंचमहल	अत्यधिक	सूखा
गुजरात	दाहोद	अत्यधिक	सूखा
हरियाणा	फतेहाबाद	अत्यधिक	सूखा
हरियाणा	भिवानी	अत्यधिक	सूखा
हरियाणा	महेन्द्रगढ़	अत्यधिक	सूखा
हिमाचल प्रदेश	चंबा	अत्यधिक	सूखा
हिमाचल प्रदेश	मंडी	अत्यधिक	-
जम्मू-कश्मीर	लेह (लद्दाख)	अत्यधिक	सूखा
जम्मू-कश्मीर	पुंछ	अत्यधिक	सूखा
जम्मू-कश्मीर	कठुआ	अत्यधिक	सूखा
कर्नाटक	गडाग	अत्यधिक	सूखा
कर्नाटक	हावेरी	अत्यधिक	सूखा
कर्नाटक	चित्रदुर्ग	अत्यधिक	सूखा
केरल	कासरगोड	अत्यधिक	चक्रवात
केरल	कोझिकोड	अत्यधिक	चक्रवात
केरल	एर्नाकुलम	अत्यधिक	चक्रवात
केरल	कोट्टायम	अत्यधिक	सूखा
केरल	अलप्पुझा	अत्यधिक	बाढ़
केरल	पथानामाथिट्टा	अत्यधिक	बाढ़
केरल	कोल्लम	अत्यधिक	चक्रवात
केरल	तिरुवनंतपुरम	अत्यधिक	सूखा
मध्य प्रदेश	भिण्ड	अत्यधिक	सूखा
मध्य प्रदेश	झाबुआ	अत्यधिक	सूखा

महाराष्ट्र	नांदेड़	अत्यधिक	-
महाराष्ट्र	बीड	अत्यधिक	सूखा
मेघालय	पश्चिम गारो हिल्स	अत्यधिक	सूखा
मेघालय	पूर्वी गारो हिल्स	अत्यधिक	सूखा
मेघालय	दक्षिण गारो हिल्स	अत्यधिक	सूखा
मेघालय	पश्चिम खासी हिल्स	अत्यधिक	सूखा
मेघालय	पूर्वी खासी हिल्स	अत्यधिक	सूखा
मेघालय	जयन्तिया हिल्स	अत्यधिक	सूखा
मिजोरम	लॉन्ग्लाई	अत्यधिक	सूखा
मिजोरम	सैहा	अत्यधिक	सूखा
नगालैंड	तुएनसांग	अत्यधिक	सूखा
ओडिशा	क्योंझर	अत्यधिक	चक्रवात
ओडिशा	बालासोर (बालेश्वर)	अत्यधिक	चक्रवात
ओडिशा	केंद्रपाड़ा	अत्यधिक	चक्रवात
ओडिशा	जगतसिंगपुर	अत्यधिक	बाढ़
ओडिशा	जाजपुर	अत्यधिक	चक्रवात
ओडिशा	पुरी	अत्यधिक	बाढ़
पंजाब	गुरदासपुर	अत्यधिक	सूखा
पंजाब	जालंधर	अत्यधिक	सूखा
पंजाब	मोगा	अत्यधिक	सूखा
पंजाब	फरीदकोट	अत्यधिक	सूखा
पंजाब	भठिंडा	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	गंगानगर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	हनुमानगढ़	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	चुरू	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	झुंझुनूं	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	अलवर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	करौली	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	दौसा	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	सीकर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	नागौर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	जोधपुर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	जैसलमेर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	बाड़मेर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	जालौर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	पाली	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	भीलवाड़ा	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	डूंगरपुर	अत्यधिक	सूखा
राजस्थान	बांसवाड़ा	अत्यधिक	सूखा
सिक्किम	दक्षिण	अत्यधिक	-
उत्तर प्रदेश	बागपत	अत्यधिक	सूखा

उत्तर प्रदेश	उन्नाव	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	कन्नौज	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	इटावा	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	औरैया	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	कानपुर (देहात)	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	जालौन	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	झांसी	अत्यधिक	-
उत्तर प्रदेश	हमीरपुर	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	महोबा	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	बांदा	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	चित्रकुट	अत्यधिक	-
उत्तर प्रदेश	फ़तेहपुर	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	कौशांबी	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	बहराईच	अत्यधिक	बाढ़
उत्तर प्रदेश	श्रावस्ती	अत्यधिक	-
उत्तर प्रदेश	बलरामपुर	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	गोंडा	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	बस्ती	अत्यधिक	सूखा
उत्तर प्रदेश	जौनपुर	अत्यधिक	बाढ़
उत्तर प्रदेश	संत रविदास नगर	अत्यधिक	बाढ़
उत्तराखंड	उत्तरकाशी	अत्यधिक	-
उत्तराखंड	रुद्रप्रयाग	अत्यधिक	-
उत्तराखंड	टिहरी गढ़वाल	अत्यधिक	-
उत्तराखंड	पिथौरागढ़	अत्यधिक	सूखा
उत्तराखंड	बागेश्वर	अत्यधिक	सूखा
उत्तराखंड	अल्मोड़ा	अत्यधिक	सूखा
उत्तराखंड	चम्पावत	अत्यधिक	सूखा
पश्चिम बंगाल	मालदा	अत्यधिक	बाढ़
पश्चिम बंगाल	24-परगना (उत्तर)	अत्यधिक	चक्रवात
पश्चिम बंगाल	24-परगना (दक्षिण)	अत्यधिक	चक्रवात
